भारत सरकार
सूचना और प्रसारण मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1532
(दिनांक 31.07.2026 को उत्तर देने के लिए)

वेव्स पहल के माध्यम से भारत के मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग का वैश्विक विस्तार

1532. श्री प्रदीप कुमार वर्माः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा वेव्स (डब्ल्यूएवीईएस) पहल के माध्यम से भारत के मीडिया, मनोरंजन एवं रचनात्मक उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रोत्साहित करने हेतु प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) यदि हाँ, तो इस पहल के अंतर्गत अब तक आयोजित प्रमुख गतिविधियों, किए गए निवेश प्रस्तावों एवं अंतरराष्ट्रीय सहभागिताओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स (एवीजीसी) तथा डिजिटल मीडिया क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु विशेष पहल की गई है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री
(डॉ. एल. मुरूगन)

(क) से (घ): माननीय प्रधानमंत्री के "क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड" के विजन के अनुरूप, सरकार ने भारत को कंटेंट निर्माण के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने तथा भारत के मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्व ऑडियो विजुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 का आयोजन किया।

इस शिखर सम्मेलन ने रचनाकारों, निर्माताओं, स्टार्टअप्स, निवेशकों, प्रौद्योगिकी कंपनियों एवं नीति-निर्माताओं के लिए एक वैश्विक प्लेटफार्म के रूप में कार्य किया। इसने भारतीय रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया, व्यावसायिक अवसरों को सुगम बनाया, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ किया तथा भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत किया।

मुंबई में आयोजित वेव्स 2025 में 100 से अधिक देशों के एक लाख से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा इसमें 140 से अधिक सत्रों का आयोजन किया गया।

वेव्स पहल के अंतर्गत प्रमुख गतिविधियां एवं उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:

• ग्लोबल मीडिया डायलॉग (जीएमडी): विश्वभर के मंत्रियों एवं वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र के भविष्य, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के उत्तरदायीपूर्ण उपयोग, डिजिटल समावेशन तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श किया। शांतिपूर्ण, समावेशी एवं उत्तरदायी वैश्विक मीडिया इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए वेव्स घोषणा-पत्र को अंगीकृत किया गया।

• वेव्स बाजार: मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र के लिए एक वर्षभर चलने वाला वैश्विक बी2बी मार्केटप्लेस है, जिसने 6,000 से अधिक विक्रेताओं तथा 4,000 से अधिक क्रेताओं को अपने साथ जोड़ा है; संरचित बी2बी बैठकों को सुगम बनाया, संभावित व्यावसायिक एवं निवेश संबंधी चर्चाओं को बढ़ावा दिया, अनेक समझौता ज्ञापनों (एमओयूस)/आशय पत्रों पर हस्ताक्षर को सक्षम बनाया तथा प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों एवं महोत्सवों में सहभागिता के माध्यम से भारतीय रचनाकारों को प्रोत्साहित किया है।

• वेवएक्स: मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने वाला एक समर्पित स्टार्टअप प्लेटफॉर्म है, जो इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, निवेशकों से संपर्क, व्यावसायिक समन्वय तथा वैश्विक बाजार तक पहुँच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। वेवएक्स ने मंत्रालय के संस्थानों में इनक्यूबेशन केंद्र स्थापित किए हैं तथा संरचित उद्योग सहभागिताओं के माध्यम से स्टार्टअप्स को व्यावसायिक अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। वेवएक्स द्वारा प्रायोजित मीडिया एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र के चार स्टार्टअप्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने बर्लिनेल 2026 के यूरोपीय फिल्म मार्केट (ईएफएम) में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, वेवएक्स द्वारा समर्थित 51 आशाजनक एवीजीसी-एक्सआर एवं मीडिया टेक स्टार्टअप्स ने एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान आयोजित वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर में एआई-आधारित समाधानों एवं इमर्सिव प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया, जिससे उनकी दृश्यता बढ़ी तथा उद्योग के साथ सहयोग को प्रोत्साहन मिला।

• क्रिएट इन इंडिया चैलेंज / क्रिएटोस्फीयर: यह मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में भारत की रचनात्मक प्रतिभाओं की पहचान, पोषण, संकलन एवं प्रदर्शन के लिए एक प्लेटफार्म है। सीआईसी के सीजन-1 के दौरान 33 चैलेंज आयोजित किए गए, जिनका समापन 1-4 मई 2025 के दौरान मुंबई में आयोजित वेव्स 2025 में हुआ। इन चैलेंज की संकल्पना एवं

क्रियान्वयन एनीमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग, कॉमिक्स, एवीजीसी-एक्सआर, संगीत, फिल्म, डिजिटल मीडिया, एआई आदि क्षेत्रों से संबंधित उद्योग संघों के माध्यम से किया गया। इन चैलेंजों में देशभर से 1 लाख से अधिक रचनाकारों ने भाग लिया।

• भारत पवेलियन: यह भारत की कहानी कहने की परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत एवं प्रौद्योगिकीय क्षमताओं का एक गहन प्रदर्शन है, जिसके माध्यम से वैश्विक दर्शकों के समक्ष भारत की सॉफ्ट पावर एवं रचनात्मक नेतृत्व को प्रदर्शित किया गया।

सरकार ने भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना की है। यह एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए एक संस्थान है। आईआईसीटी महाराष्ट्र सरकार, फिक्की एवं सीआईआई के सहयोग से सरकार की एक पहल है जिसे एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। यह संस्थान जुलाई 2025 से कार्यरत है तथा उद्योगोन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है और इसके अतिरिक्त, पाठ्यक्रम विकास, कौशल विकास, अनुसंधान, स्टार्टअप इनक्यूबेशन, इंटर्नशिप एवं उद्योग मार्गदर्शन के लिए इसने अग्रणी वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ सहयोग स्थापित किया है।

*****